गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं दो : डॉ. गावंडे

जालोर.(नि.सं.)। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलैक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में जिला कलैक्टर ने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिले के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर आमजन के लिए उपलब्ध दवाईयों की उपलब्धता, जांच सुविधाएँ, टीकाकरण सुविधा, संस्थागत प्रसव सुविधा, स्कूलों में पिंक एवं ब्लू टेबलेट वितरण, लाडो प्रोत्साहन योजना कि वर्तमान प्रगति के बारे में जानकारी ली तथा मानसून के दौरान संभावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु नियमित रूप से एंटी लार्वा एक्टिविटी करवाने के निर्देश दिए।

जिला कलैक्टर ने नर्मदा प्रोजेक्ट के अधिकारियों से जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत एफआर, डीआर, आर, सीलू जैसला भाटकी परियोजना की वर्तमान प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए हर घर जल योजना के तहत अधिक संख्या में पात्र नागरिकों को एफएचटीसी कनेक्शन देने एवं पेयजल उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

जालोर में जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

जिला कलैक्टर ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं को विभागवार समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई एवं समाधान व्यवस्था शिविर की समीक्षा करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी जनसुनवाई के दौरान जिले के लोगों की परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करें।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता पीएच डी संजय शर्मा, जिला रसद अधिकारी आलोक झरवाल, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उप निदेशक धनसिंह राजपुरोहित, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक कपिल लुणा, बीसीएमओ डॉ भजनलाल बिश्नोई आदि उपस्थित रहे।

'स्वयं रूदन करते हैं, लेकिन दोष दूसरों पर'

जोधपुर. (कासं)। चौरड़िया भवन में विराजित सुमति मुनि ने कहा कि हम स्व आत्मा में आने की जगह बाह्य काल्पनिक दृश्यों में जाकर खुश होते हैं। आज मंजू गोगड 14 की तपस्या एवं गौतम मुथा ने 15 की तपस्या के पचक्खाण ग्रहण किये।

उन्होंने कहा कि जब रेल चलती है तो दृश्यो से ऐसा लगता है कि मकान, वृक्ष, खेत आदि गतिमान है लेकिन वे तो स्थिर है। बाहर के व्यक्तियों, दृश्यों को देखने पर संसार आश्चर्य लगता है, हमारी आत्मा अनन्त शक्ति संपन्न है फिर भी यह जीव भीख मांगता है कि मुझे ये नहीं मिला, अच्छा नहीं मिला, बाहरी स्थितियों के रुदन करते है। बच्चा जब रोता है तो उसको शांत करने के लिए उसका ध्यान हटाने की कोशिश करते है। हम स्वयं रूदन करते है लेकिन उसका दोष दूसरों पर देते हैं। कपड़े की दुकान से मिठाई प्राप्त करना भ्रमणा है। जब तक हम बाहरी तथ्यों, वातावरण, स्थितियो से आँखे बंद नहीं करेंगे तब तक भीतर आत्मा से नहीं जुड़ सकते है। सूर्य बादलों से घिरा हुआ लेकिन फिर भी उसके प्रकाश किरणों से दिखाई देता है। यदि हम प्रकाश में आँखे बंद करेंगे तो प्रकाश नई दिखाई देंगा। हमारा चैतन्य ज्ञान का खजाना है इससे कोई अनजान नहीं रहे। कोई मकान खरीदते है उसके अन्दर खजाना होने की जानकारी मिलते ही आप खुश हो जाते है।

राज्यपाल ने बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन किए

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने लोकदेवता बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन किए। फोटो-राष्ट्रदूत

पोकरण,(निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को रामदेवरा पहुंचकर लोकदेवता बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन किए एवं विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। इस दौरान राज्यपाल ने परिसर में स्थित जम्मा जागरण स्थल पर बाबा रामदेव की रिक्खियों का श्रवण भी किया।

इस अवसर पर बाबा रामदेव वंशज गादीपति भोमसिंह तंवर ने मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से राज्यपाल का साफा, दुपट्टा एवं बाबा रामदेवजी की तस्वीर भेंट कर पारंपरिक स्वागत किया गया। राज्यपाल ने बाबा रामदेवजी के आदर्शों और जनकल्याणकारी विचारों को स्मरण करते हुए कहा कि बाबा रामदेव जी सामाजिक समरसता, समानता एवं सेवा के प्रतीक हैं। उन्होंने अपने जीवन में हमेशा गरीबों, वंचितों और पीड़ितों के लिए कार्य किया। उनके सिद्धांत आज भी समाज को एक दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने देशभर से रामदेवरा आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और श्रद्धा को अद्भुत बताया और प्रशासन द्वारा मेले में की गई व्यवस्थाओं की भी सराहना की। पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी, जिला कलक्टर प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे, अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसाराम सैनी, उपखंड अधिकारी सक्षम गोयल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी, मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारी सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

छात्र संसद चुनाव संपन्न

सेंट एंस स्कूल जालोर में छात्र संसद चुनाव सम्पन्न हुए। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (का.सं.)। शिक्षा के साथ-साथ नेतृत्व, जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों का समावेश ही किसी विद्यालय की वास्तविक पहचान होती है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सेंट एंस स्कूल में आज भव्य आयोजन के तहत छात्र संसद चुनाव सम्पन्न हुए। इस अवसर पर विद्यालय परिसर लोकतांत्रिक वातावरण से सराबोर दिखाई दिया।

विधालय के कक्षा 3 से 10 तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक मतदान प्रक्रिया में भाग लिया। मतगणना के पश्चात परिणाम घोषित किए गए, जिनमें विजयी उम्मीदवारों ने अपने सहपाठियों का विश्वास अर्जित कर गौरव हासिल किया। चुनाव मेकमांडर बॉय कार्तिकी राजपुरोहित,कमांडर गर्ल आरूशी,रमन समूह कैप्टन अतुल, वाइस कैप्टन श्रेय, रामानुजन समूह कैप्टन अथर, वाइस कैप्टन महीमा दवे, बॉस समूह कैप्टन अनिल, वाइस कैप्टन परीक्षित, कलाम समूह कैप्टन मुकुल, वाइस कैप्टन यशस्वी चारण नियुक्त हुए।इसके अलावा सभी कक्षा में मॉनिटर के रूप में स्क्वाड लीडर का भी चयन कक्षा स्तर पर किया गया ।

संस्था प्रधान किशोर राजपुरोहित ने विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि छात्र संसद विद्यालय प्रबंधन का महत्वपूर्ण अंग है, जो विद्यार्थियों को अनुशासन, जिम्मेदारी और नेतृत्व के गुणों से ओतप्रोत करता है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था न केवल विद्यालय के प्रशासनिक कार्यों को सुचारु बनाती है बल्कि विद्यार्थियों के जीवन में लोकतांत्रिक मूल्यों की नींव भी मजबूत करती है।कार्यक्रम की संयोजक मीनाक्षी चौधरी ने समस्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया बच्चों में पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धा और सहयोग की भावना का विकास करती है।चुनाव परिणामों की घोषणा के साथ ही विद्यालय परिसर में हर्ष और उल्लास का वातावरण व्याप्त हो गया। विजयी उम्मीदवारों ने साथियों के सहयोग और विश्वास को जीवन भर बनाए रखने का संकल्प लिया।

विशाल व जगदीश को राष्ट्रपति अवार्ड

पाली, (नि.सं.)। भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 29 अगस्त से 1 सितंबर तक नेशनल यूथ कॉम्प्लेक्स, गदपुरी में आयोजित राष्ट्रपति स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर अवार्ड रैली एवं राष्ट्रपति अवार्ड प्रमाण पत्र सेरेमनी में जिले के रोवर विशाल और जगदीश ने भाग लेकर 31 अगस्त 2025 को भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति अवार्ड प्रमाण पत्र प्राप्त किया। 2 सितंबर को जिला मुख्यालय पहुंचने पर दोनों रोवर का स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा।

सी ओ स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि राष्ट्रपति अवार्ड प्रमाण पत्र प्राप्त करना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि अपने परिवार, समाज, शिक्षण संस्थान, जिला और प्रदेश को भी गौरवान्वित किया है। पाली जिले की दोनों रोवर की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अध्यक्ष महेंद्र बोहरा, सहायक स्टेट कमिश्नर नूतन बाला कपिला, सी. ओ. गाइड निशु कंवर, जिला प्रशिक्षण आयुक्त प्रकाश चंद्र सिंघाड़िया, पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर पाली बसंत परिहार, रोवर लीडर प्रभु प्रजापति, उपाध्यक्ष ताराचंद जैन, तारा चंद जैन, आर सी वैष्णव, पूनम तिवारी, सीमा त्रिवेदी, मनोज लखेरा, रमेश चंद जैन, ओमप्रकाश परिहार, समस्त स्थानीय संघ सचिव, प्रभारी सहायक कमिश्नर, स्काउट गाइड परिवार पाली ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

सोमती देवी ने राज्यपाल के कार्यकाल पुस्तिका का लोकार्पण के किया

पोकरण , (नि.सं.)। रामदेवरा राजस्थान के इतिहास में वह क्षण सदा के लिए स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया, जब राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के आग्रह पर सोमवार का उनके एक वर्ष के कार्यकाल की पुस्तक "अभ्युदय की ओर" का लोकार्पणे रामदेवरा की भीलों का बास निवासी सोमती देवी ने किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अपने एक वर्ष का कार्यकाल आदिवासी, जनजाति और गांव गरीब के लोगों को समर्पित किया है। उनकी यह मंशा थी कि उनके एक वर्ष कार्यकाल की पुस्तक का लोकार्पण लोक आस्था के पावन धाम में किसी महिला से हो। भीलों का बास निवासी सोमती देवी को इसके लिए चुना गया। राज्यपाल ने कहा कि "अभ्युदय की ओर" का अर्थ है, सर्व कल्याण/सबकी उन्नित/सबके समान उत्थान के लिए कार्य। उन्होंने रामदेवरा की महिला सोमती द्वारा "अभ्युदय की ओर" पुस्तक लोकार्पण के लिए आभार भी जताया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के एक वर्ष के कार्यकाल की पुस्तक 'अभ्युदय की ओर' का लोकार्पण रामदेवरा में हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

उल्लेखनीय है कि राज्यपाल श्री बागडे ने राजस्थान में अपने एक वर्ष के कार्यकाल को उदयपुर जिले की आदिवासी ग्राम पंचायत बिलवान कोटड़ा में मनाया था। एक वर्ष पूर्ण होने पर उन्होंने जनजातीय लोगों के मध्य ही रात्रि विश्राम कर उनसे मिल बैठ संवाद कर मनाया था। राज्यपाल के रूप पदभार ठाहण के बाद से ही राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे का निरंतर यह प्रयास रहा है कि सभी क्षेत्रों में राजस्थान अभ्युदय की ओर बढ़ें। इसी के तहत उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए सभी जिलों का सघन दौरा किया। वहां के लोगों से संवाद किया। जिलों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, जन हित से जुड़ी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। पुस्तक में इस सबसे जुड़ी महती सामठी संजोई गई है।

पुस्तक में उनके द्वारा रासायनिक खेती के खतरों को देखते हुए प्राकृतिक खेती के लिए किए कार्य, सहकारिता की भावना के साथ सभी क्षेत्रों विकास के साझा प्रयास, डेयरी और आदिवासी क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास के लिए किए कार्य और प्रदेश में विश्वविद्यालयों को उच्च गुणवत्ता की दृष्टि से समृद्ध किए जाने, नेक एक्रीडेशन आदि के लिए हुई पहल को संजोया गया है।

पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी, महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल फ्रंटियर, जोधपुर एम. एल. गर्ग, डॉ. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, सक्षम संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम पुरोहित, प्रदेश सचिव कुलदीप मिश्रा, महासचिव खेताराम लीलड़, बाबा रामदेव वंशज गादीपति भोमसिंह तंवर, जिला स्तरीय अधिकारी सहित कई जने उपस्थित रहे।

राधाष्टमी महोत्सव मनाया, इस्कॉन मंदिर के लिए जमीन भेंट

पाली, (नि.सं.)। इस्कॉन पाली के द्वारा भाद्रपक्ष शुक्ल अष्टमी को राधाष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस्कॉन के कार्तिक कृष्ण प्रभु ने बताया कि अमरनाथ नगर किसान केसरी गार्डन के पीछे पाली में स्थित इस्कॉन केन्द्र पर राधाष्टमी महोत्सव मनाया गया। इस्कॉन के कार्तिक कृष्ण प्रभु ने कथा/प्रवचन के माध्यम से श्री राधारानी के प्राकटय के बारे मे बताया।

प्रात: माला जप व मंगल आरती व फूलों से श्री श्री राधा-गोविन्दजी, श्री श्री गौर-निताई व इस्कॉन केन्द्र का विषेष श्रृंगार किया गया। फिर सायं 4:30 बजे से मुख्य कार्यक्रम शुरू हुआ जिसमें कीर्तन से कार्यक्रम की शुरूआत की फिर पंच तत्वो से श्रीराधा-गोविन्दजी का अभिषेक किया गया। उक्त अभिषेक को चरणामृत के रूप में भक्तों ने ग्रहण किया तथा श्रीराधा-कृष्णजी को छप्पन भोग लगाया। विशेष रूप से श्री राधा रानी जी को पांच मुख्य चीज अत्यधिक पंसद है कलर में नीला रंग जो श्री कृष्ण का है, मिष्ठान में रबड़ी, नमकीन में अरबी, प्रिय पर्व होली, पान बीडे का भोग लगता है तथा उसके बाद विशेष महाआरती की।

प्रतिक झंवर की पुण्य स्मृति में प्रतिक झंवर चेरीटेबल टस्ट, पाली द्वारा भव्य इस्कॉन मन्दिर बनाने के लिए 2 करोड़ की जमीन भेंट की गई। इस सहयोग के लिए उनके परिवार के सदस्य अंजली, राजकुमारी, वाणी, शिव करणजी झंवर का बहुमान किया गया। इस्कॉन के कार्तिक कृष्ण प्रभुजी ने बताया कि शीघ्र आंवटित जमीन पर भव्य मन्दिर बनेगा। श्री राधा-गोविन्दजी के आर्कषक विग्रह स्थापित किये जायेगा। मन्दिर के लिए जमीन भेंट करने वाले भामाषाह का आभार प्रकट किया।

आचार्य तुलसी विकास के पुरोधा थे : काव्य लता

पाली में जैन समाज के भवन साध्वियों के प्रवचन व विकास महोत्सव हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। आज आयोजित विकास महोत्सव के अवसर पर साध्वी काव्यलता ने कहा कि आज का यह महोत्सव संघ को आचार्य महाप्रज्ञ जी का अमूल्य उपहार है। आचार्य तुलसी ने अपने अद्वितीय नेतृत्व से संघ का बहुमुखी विकास किया। उसी की बदौलत आज तेरापंथ धर्मसंघ विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। आचार्य तुलसी ने भिक्षु के प्रति अगाध श्रद्धा और कालुगणि के प्रति समर्पण भाव के साथ अपने शिष्य समुदाय का सर्वांगीण विकास किया।

आचार्य तुलसी का युग तेरापंथ का स्वर्णिम इतिहास बन गया। उन्होंने अनुशासन के साथ नया मोड़, समण श्रेणी,अणुव्रत,नैतिकता, प्रेक्षा ध्यान, नारी शिक्षा , जैन विश्व भारती और अहिंसा यात्रा जैसे नए अध्याय जोड़े। अपने पद का विसर्जन कर आपने

> ■ 'आचार्य तुलसी की बदौलत तेरापंथ धर्मसंघ ने विश्व पटल पर अलग पहचान बनाई'

जिनशासन में एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

साध्वी श्री जी ने कहा- आज मैं इस विकास यात्रा की कहानी अपनी जुबानी से बयाँ करने में समर्थ नहीं हूँ। केवल मंगल भावना करती हूँ कि यह दिन सदियों तक सदा बहार बना रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण से हुआ। साध्वी श्री ज्योतियशा जी, साध्वी श्री सुरभि प्रभा जी एवं साध्वी श्री राहत प्रभा जी ने तुलसी जैसा महाबली आता है सदियों बाद गीत की मधुर प्रस्तुति से सभा को भावविभोर कर दिया।

वरिष्ठ श्रावक डुंगरचंद चौपड़ा ने सारगर्भित वक्तव्य दिया। भाई शिखरचंद ने गीत के माध्यम से श्रद्धा भाव प्रकट किए।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सदस्य एवं मारवाड़ प्रभारी विनीता बेगानी ने कहा कि आचार्य तुलसी नारी उत्थान के लिए कार्य करने वाले अद्वितीय प्रभावक आचार्य थे। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

इस प्रकार श्रद्धा, भावुकता और कृतज्ञता से ओत-प्रोत यह दिवस आचार्य तुलसी के आदर्शों को नमन करने का प्रेरणास्पद अवसर बन गया। अंत में आज सुश्री पीनल गुलगुलिया द्वारा 9 की तपस्या का प्रत्याख्यान किया गया । मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम का सुखद समापन हुआ।

नए विद्यार्थियों का स्वागत

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर के खेरवा रोड स्थित कंकू विजय महाविद्यालय में सोमवार को नवीन सत्र का शुभारंभ किया गया।

महाविद्यालय के डॉ, करण सैन ने बताया कि कार्यक्रम का आगाज संस्था प्रबंधक अभिषेक जैन ने मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर जैन ने कहा की सभी नवीन विद्यार्थी आज से वे अपनी जीवन के नए पड़ाव की ओर कदम रख रहे है। वे आगामी दिनों में अपना प्रशिक्षण पूरा करके निश्चित रूप से सफलता हासिल करके अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में सभी नवांगतुक विद्यार्थियों का वरिष्ठ छात्राध्यापकों ने तिलक लगा कर रोली मोली और मिष्ठान से स्वागत किया। कार्यक्रम में , डॉ अंजना अरोड़ा, डॉ सुरेंद्र शर्मा एवं गोविन्द सैन ने शैक्षिणकजानकारी एवं शिक्षक महत्ता के बारे में उदबोधन दिया। दिनेश विश्नोई, प्रवीण द्विवेदी लता महावर आदि प्रवक्ताओ ने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

डॉ. मोहन भागवत जोधपुर में, समन्वय बैठक पांच से

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जोधपुर पहुंचे। वे पांच से सात सितंबर तक अखिल भारतीय समन्वय बैठक में हिस्सा लेंगे।

बैठक में हिस्सा लेने के लिए आरएसएस के सरकार्यवाह व अन्य पदाधिकारी भी मंगलवार से जोधपुर पहुंचना शुरू होंगे। डॉ. भागवत नौ सितंबर की सुबह तक लालसागर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में प्रवास करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक पांच से सितंबर को जोधपुर के लालसागर क्षेत्र में स्थित आदर्श विद्या मंदिर में होगी। यह बैठक हर साल होती है। पिछले साल सितंबर में यह पालक्काड़ (केरल) में हुई थी। इस बैठक में संघ प्रेरित 32 विविध संगठनों के चयनित पदाधिकारी सहभागी होते हैं। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित सभी छह सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, सीआर मुकुंद (केसी मुकुंद), अरुण कुमार, रामदत्त चक्रधर, अतुल लिमये और आलोक कुमार व अन्य प्रमुख पदाधिकारी, भाजपा से राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष भी इस बैठक में उपस्थित रहेंगे। इनके अलावा संघ विचारधारा वाले संगठनों में राष्ट्र सेविका समिति, वनवासी कल्याण आश्रम, विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती, भारतीय मजदूर संघ सहित 32 संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन मंत्री एवं प्रमुख पदाधिकारी बैठक में हिस्सा लेंगे।

संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के अनुसार बैठक में सभी संगठन कार्य क्षेत्र में अपने अनुभवों के आधार पर परिस्थितियों का आकलन प्रस्तुत करते हैं। राष्ट्रीय एकात्मता, सुरक्षा एवं सामाजिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण विषयों पर बैठक में व्यापक चर्चा और करणीय कार्यों में परस्पर समन्वय स्थापित करने के लिए आवश्यक कदमों की पहल होती है। हाल में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं पर सामूहिक समीक्षात्मक विश्लेषण भी किया जाएगा।

बैठक में विविध संगठन के कार्यकर्ता अपने कार्य की जानकारी, उपलब्धियों और आगामी योजनाओं को भी प्रस्तुत करेंगे। संघ शताब्दी के कार्यक्रमों में सभी संगठनों की सहभागिता पर भी विचार-विमर्श अपेक्षित है। शताब्दी वर्ष के निमित्त संघ ने समाज के समक्ष पंच परिवर्तन का विचार रखा है, जिसमें राष्ट्र निर्माण, सेवा गतिविधियों और सामाजिक एकता के कार्यक्रम शामिल हैं।

माचिया किले को तीर्थ स्थल बनाएंगे : शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सोमवार को ऐतिहासिक माचिया किले पहुंच कर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कीर्ति स्तम्भ के समक्ष नमन किया। शेखावत ने स्वतंत्रता सेनानियों के इस पवित्र स्थल को विकसित करने के साथ माचिया पार्क का द्वितीय चरण में पर्यटन की दृष्टि से विकास करवाने पर विस्तार से अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने पुराने किले का अवलोकन किया।

शेखावत ने बताया कि जोधपुर शहर से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित माचिया किला रियासतकालीन है। इसे अंग्रेजों ने जेल में बदल दिया था। जेल में उन स्वतंत्रता सेनानियों को प्रताड़ना के लिए लाया जाता था, जो देश को आजादी दिलाने के लिए पूरे भारत में स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ रहे थे। इस दौरान कई सेनानियों ने अपनी जान गंवाई तो कई को अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर प्रताड़ित किया था। करीब 30 से 32 स्वतंत्रता सेनानियों को जोधपुर जेल से निकालकर काला पानी की सजा देने के लिए माचिया किले में 1942 से 1943 के बीच आठ महीनों तक भयंकर प्रताड़ना दी गई। उस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को उनसे मिलने नहीं देते थे। कुछ परिजनों को 10 फीट की दूरी और छोटे-छोटे झरोखे से कुछ मिनट बात करने दी जाती थी। शेखावत ने बताया कि वर्तमान में करीब तीन लाख पर्यटक प्रतिवर्ष आ रहे हैं। इस ऐतिहासिक स्थल को पवित्र तीर्थस्थल की तरह विकसित कर देश-विदेश के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाया जाएगा। गौरतलब है कि माचिया किले में स्वतंत्रता सेनानियों को जहां यातनाएं दी गई थीं, वहां तस्वीरें तो लगी हुई हैं, लेकिन किले के द्वार केवल 15 अगस्त और 26 जनवरी को खुलते हैं।

कार्यों की समीक्षा

पाली, (नि.सं.)। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री के निर्देशानुसार सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में डॉ सिंह ने गत सप्ताह में हुये कामो की प्रगति की समीक्षा करते हुये विभागीय कामों योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिये।

बैठक में उन्होंने बजट घोषणाओं में बकाया कामों की विभागवार प्रगति की जानकारी ली साथ ही हरियालो राजस्थान की प्रगति व मानसून बाढ बचाव आपदा राहत कामों की जानकारी लेकर संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही बैठक में बरसात में क्षतिग्रस्त सडकों की मरम्मत के लिये व जल भराव क्षेत्रों से जल निकासी के बारे में संबधी विभागों को आवश्यक निर्देश दिये।